

शत्रुत्व पुं. (तत्.) दे. शत्रुता।

शत्रुदमन वि. (तत्.) दे. शत्रुघाती, शत्रुघ्न।

शत्रुनाशक वि. (तत्.) शत्रु को मारने वाला, रिपुनाशक, शत्रुदमन।

शत्रुमर्दन पुं. (तत्.) 1. शत्रुघ्न वि. शत्रु का नाश करने वाला, शत्रुनाशक।

शत्रुविग्रह पुं. (तत्.) शत्रु का आक्रमण।

शत्रुसाल वि. (तत्.) शत्रु के हृदय को सालने वाला, शत्रु के हृदय को भय और कष्ट देने वाला।

शत्रुहंता वि. (तत्.) शत्रु को मारने वाला, शत्रु को नष्ट करने वाला।

शत्त्वरी स्त्री. (तत्.) रात, रात्रि।

शद पुं. (तत्.) शाक-मूल आदि खाद्य वस्तु।

शदक पुं. (तत्.) भूसी रहित अन्न।

शदियाना पुं. (फा.) 1. विवाह आदि खुशी के अवसर पर बजाया जाने वाला बाजा, नौबत, आनंद एवं मंगलसूचक वाद्य 2. विवाह आदि खुशी के मौको पर गाया जाने वाला गीत, बधावा, बधाई-गीत 3. शादी के मौके पर किसानों द्वारा जमींदार को दी जाने वाली राशि।

शदीद वि. (अर.) कठिन, मुश्किल, प्रबल, तेज, तीव्र सख्ती करने वाला।

शद्व पुं. (अर.) 1. स्वर का उतार-चढ़ाव, स्वर को ऊँचा करना 2. किसी अक्षर को दो बार पढ़ना 3. दृढ़ करना, मजबूत करना।

शद्वतरंगिणी स्त्री. (तद्.+तत्.) संगीत में कर्नाटकी पद्धति की एक रागिनी।

शद्वदाद पुं. (अर.) एक अत्याचारी प्राचीन बादशाह, यह बादशाह स्वयं को ईश्वर समझता था, उसने एक कृत्रिम स्वर्ग बनवाया, उसमें प्रवेश करते समय स्वयं ही मर गया।

शद्वि पुं. (तत्.) 1. हाथी 2. बादल 3. अर्जुन का नाम स्त्री. बिजली।

शद्रु पुं. (तत्.) विष्णु वि. नष्ट होने वाला, गिरने वाला, पतनशील, नश्वर।

शन पुं. (तत्.) शांति, चुप्पी।

शनकावलि स्त्री. (तत्.) गजपिप्पली, एक पौधा जिसकी मंजरी औषध के काम आती है।

शनपर्णी स्त्री. (तत्.) आयु. कटुकी नामक एक औषधि।

शनवा वि. (फा.) सुनने वाला।

शनाखत स्त्री. (फा.) किसी व्यक्ति अथवा वस्तु को देखकर पहचानने की क्रिया, पहचान, परख।

शनावरी स्त्री. (फा.) तैरना, तैराकी।

शनास वि. (फा.) पहचानने वाला, परखने वाला।

शनासा वि. (फा.) पहचानने वाला, परखने वाला।

शनि पुं. (तत्.) 1. सौर जगत का सातवाँ ग्रह 2. ज्योतिष शास्त्र में नवग्रहों में से सातवाँ ग्रह 3. शनिवार 4. शिव का नाम 5. सूर्यपुत्र।

शनिज पुं. (तत्.) काली मिर्च।

शनिप्रदोष पुं. (तत्.) जब शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी शनिवार को हो तब शनि प्रदोष कहलाता है, इस दिन शिव पूजन का विशेष महत्व है।

शनिप्रसू स्त्री. (तत्.) छाया, शनि को जन्म देने वाली, सूर्य की पत्नी।

शनिप्रिय पुं. (तत्.) नीलम नाम का रत्न।

शनिरूह पुं. (तत्.) शनि का वाहन, भैंसा।

शनिवार, शनिवासर पुं. (तत्.) सप्ताह का अंतिम दिन, रविवार से पहले का और शुक्रवार के बाद का दिन।

शनिशचर पुं. (तत्.) शनि ग्रह का नाम, शनैश्चर।

शनीद वि. (फा.) सुनवाई, सुनने की क्रिया।

शनीदा वि. (फा.) सुना हुआ, श्रुत।

शनील पुं. (फा.) कोमल, रोएँदार, चमकीला कपड़ा जिसके पर्दे, रजाइयाँ आदि बनाए जाते हैं।